भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

18.03.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4278 का उत्तर

होशियारपुर में आरओबी/आरयूबी

4278. डॉ. राज कुमार चब्बेवाल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) होशियारपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में ऊपरी पार पुलों (आरओबी) और अधोगामी पुलों (आरयूबी) के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(ख) होशियारपुर से टांडा जिसके लिए सर्वेक्षण पूरा हो चुका है, सहित होशियारपुर में सभी प्रस्तावित रेलवे लाइनों की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) तलवाड़ा से मुकेरियां और पंजाब से दौलतपुर तक की प्रस्तावित रेल परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है;

(घ) होशियारपुर जिले से गुजरने वाली रेलवे लाइनों के विद्युतीकरण की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ङ) होशियारपुर जिले में चौकीदार वाले और बिना चौकीदार वाले समपारों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल पर 16,499 अदद चौकीदार वाले समपार हैं, जिनमें से 75 अदद चौकीदार वाले समपार होशियारपुर जिले में हैं। भारतीय रेल के बड़ी रेल लाइन नेटवर्क पर होशियारपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र सहित बिना चौकीदार वाले सभी मानवरहित समपारों को 2019 में समाप्त कर दिया गया है।

समपारों को या तो समपार के स्थान पर ऊपरी/निचले सड़क पुल का निर्माण करके या सीधे बंद करके (कम यातायात वाले समपारों के लिए) या साइट की स्थिति के आधार पर आस-पास के ऊपरी/निचले सड़क पुल/समपार में सड़क यातायात के विपथन द्वारा समाप्त किया जाता है।

2004-14 की तुलना में 2014-26 (जनवरी, 2026 तक) की अवधि के दौरान भारतीय रेल पर निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुलों की संख्या निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुल
2004-14	4,148 अदद
2014-26 (जनवरी 2026 तक)	14,024 अदद (पंजाब राज्य में 434 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुल सहित)

01.02.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में कुल 1,14,196 करोड़ रुपए की लागत पर 4802 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुल स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से पंजाब राज्य में 1,848 करोड़ रुपए की लागत से 120 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुल स्वीकृत हैं, जो नियोजन और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

होशियारपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में 153 करोड़ रुपए की लागत से 09 ऊपरी/निचले सड़क पुल कार्यों को स्वीकृति दे दी गई है। ब्यौरा निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	समपार का ब्यौरा	टिप्पणियां
1.	जालंधर-पठानकोट खंड पर कि.मी पर 80/3-4 पर समपार संख्या सी-118	सामान्य व्यवस्था आरेख को अनुमोदित कर दिया गया है। निचले सड़क पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।
2.	जालंधर-पठानकोट खंड पर कि.मी. 85/7-8 पर समपार संख्या सी-124	सामान्य व्यवस्था आरेख को अनुमोदित कर दिया गया है। निचले सड़क पुल के निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

3.	जालंधर-पठानकोट खंड पर कि.मी. 71/3-4 पर समपार संख्या सी-107	सामान्य व्यवस्था आरेख को अनुमोदित कर दिया गया है। निचले सड़क पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।
4.	लुधियाना-अमृतसर खंड पर कि.मी.409/5-7 पर समपार संख्या एस-79	कार्य स्वीकृत कर दिया गया है।
5.	लुधियाना-अमृतसर खंड पर कि.मी. 410 23-25 पर समपार संख्या एस-78	कार्य स्वीकृत कर दिया गया है। सामान्य व्यवस्था आरेख तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।
6.	जालंधर-होशियारपुर खंड पर कि.मी. 29/8-9 पर समपार संख्या सी-43	निचले सड़क पुल के निर्माण कार्य को स्वीकृत किया गया है। क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की समस्याओं के कारण कार्य रूका हुआ है।
7.	जालंधर-होशियारपुर खंड पर कि.मी. 37/7-8 पर समपार संख्या बी2-50	ऊपरी सड़क पुल का निर्माण कार्य लागत साझाकरण आधार पर स्वीकृत किया गया था। क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की समस्याओं के कारण कार्य रूका हुआ है।
8.	जालंधर- होशियारपुर खंड पर कि.मी. 34 /12-13 पर समपार संख्या ए-47	ऊपरी सड़क पुल का निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया है। सामान्य व्यवस्था आरेख तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।
9.	जालंधर-पठानकोट खंड पर कि.मी. 57/45-58/1 पर समपार संख्या बी/87	निचले सड़क पुल के निर्माण का कार्य स्वीकृत कर दिया गया है। सामान्य व्यवस्था आरेख तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

समपार के स्थान पर ऊपरी/निचले सड़क पुल के कार्यों का अनुमोदन भारतीय रेल की एक निरंतर और गतिशील प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है और रेलगाड़ी परिचालन में संरक्षा, गाड़ी की

गतिशीलता और सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए प्रभाव और व्यवहार्यता आदि के आधार पर शुरू किया जाता है।

इसके अलावा, रेलवे ने कार्यों की प्रगति में तेजी लाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:

i. सुचारू निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) को अंतिम रूप देने से पहले संबंधित राज्य सरकार/सड़क स्वामित्व प्राधिकरण के साथ संयुक्त सर्वेक्षण किया जाता है।
ii. ऊपरी/निचले सड़क पुलों कार्यों से संबंधित विभिन्न मुद्दों को सुलझाने के लिए रेलवे और राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ आवधिक बैठकें की जाती हैं।
iii. डिजाइन के अनुमोदन के दौरान विलंब से बचने के लिए रेलवे के हिस्से में स्पैन के विभिन्न संयोजनों, तिर्यकता और सड़क की चौड़ाई हेतु अधिसंरचना आरेखणों का मानकीकरण किया गया है। इसे सार-संग्रह के रूप में जारी किया गया है, जिसे रेल लाइनों पर ऊपरी सड़क पुल निर्माण के लिए त्वरित योजना बनाने हेतु सीधे अपनाया जा सकता है।

होशियारपुर - टांडा उड़मुड़ संपर्कता:

होशियारपुर और टांडा उड़मुड़ स्टेशन पहले से ही जालंधर कैंट के रास्ते रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। बहरहाल, सीधे संपर्कता के लिए, टांडा उड़मुड़ - होशियारपुर नई लाइन (34 कि.मी.) की अंतिम स्थान निर्धारण, सर्वेक्षण (एफएलएस) को मंजूरी दे दी गई है। फील्ड सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के बाद, परियोजना की मंजूरी के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि से मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। चूंकि परियोजनाओं की मंजूरी एक सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए सटीक समय-सीमा तय नहीं की जा सकती है।

नंगल डैम - तलवाड़ा - मुकेरियां नई लाइन:

नंगल डैम - तलवाड़ा - मुकेरियां परियोजना के नंगल डैम - दौलतपुर चौक (60 कि.मी.) खंड को कमीशन कर दिया गया है। दौलतपुर चौक - मुकेरियां (42 कि.मी.) में निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। रेलखंड-वार प्रगति निम्नानुसार है:

क. दौलतपुर चौक - करटोली पंजाब (10.5 किमी): सभी कार्य पूरे किए जा चुके हैं।

ख. करटोली पंजाब- तलवाड़ा (13.65 कि.मी.)

गतिविधि	विस्तार	स्थिति
वायाडक्ट	9.2 कि.मी.	कार्य शुरू कर दिया गया है, लगभग 25% कार्य पूरा किया जा चुका है
बड़े पुल	1	कार्य शुरू कर दिया गया है
छोटे पुल	7	कार्य शुरू कर दिया गया है
ऊपरी सड़क पुल	2	कार्य शुरू कर दिया गया है
निचले सड़क पुल	8	कार्य शुरू कर दिया गया है

ग. तलवाड़ा - मुकेरियां (28.70 कि.मी.):

गतिविधि	विस्तार	स्थिति
बड़े पुल	13	कार्य शुरू कर दिया गया है, लगभग 70% कार्य पूरा किया जा चुका है
निचले सड़क पुल	40	29 निचले सड़क पूलों का कार्य पूरा हो चुका है, शेष 11 निचले सड़क पूलों का कार्य शुरू कर दिया गया है
स्टेशन भवन	3	2 स्टेशन भवन का कार्य पूरा किया जा चुका है, शेष कार्य 1 स्टेशन भवन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

पंजाब

रेल बजट:

पंजाब में पूर्णत:/अंशत: स्थित अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	225 करोड़ रुपए/वर्ष
2025-26	5,421 करोड़ रुपए (24 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, पंजाब में पूर्णतः/अंशतः स्थित 21,926 करोड़ रुपए की लागत पर कुल 714 किलोमीटर लंबाई की 09 परियोजनाएँ (04 नई लाइन और 05 दोहरीकरण) योजना/स्वीकृति/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 115 किलोमीटर की लंबाई को कमीशन किया जा चुका है और मार्च 2025 तक 8,079 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है। इसका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई	चालू की गई लंबाई	मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	04	252 किलोमीटर	64 किलोमीटर	7359
दोहरीकरण/बहुपथन	05	462 किलोमीटर	51 किलोमीटर	720
कुल	09	714 किलोमीटर	115 किलोमीटर	8,079

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं

पंजाब में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1.	चक्की बैंक-भरौली दोहरीकरण (3 किलोमीटर)	15
2.	जाखल-मानसा दोहरीकरण (45 किलोमीटर)	163

3.	मीरथल-भंगाला ब्यास नदी दोहरीकरण (2.5 किलोमीटर)	74
4.	अंबाला-धप्पर-चंडीगढ़ दोहरीकरण (45 किलोमीटर)	339
5.	मानसा - बठिंडा दोहरीकरण (49 किलोमीटर)	216
6.	अमृतसर - छहरटा दोहरीकरण (7 किलोमीटर)	31
7.	जालंधर-पठानकोट-जम्मू तवी दोहरीकरण (209 किलोमीटर)	850
8.	रावी पर पुल सहित कठुआ-माधोपुर पंजाब दोहरीकरण (2.5 किलोमीटर)	257
9.	राजपुरा-बठिंडा दोहरीकरण (173 किलोमीटर)	2459

चालू परियोजनाएं:

पंजाब में पूर्णत:/अंशतः स्थित कुछ परियोजनाएं, जिन्हें शुरू किया गया हैं, निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1.	नंगल डैम-तलवाड़ा - मुकेरियां नई लाइन (123 किलोमीटर)	2018
2.	भानुपल्ली-बिलासपुर-बेरी नई लाइन (63 किलोमीटर)	6753
3.	कादियां-ब्यास नई लाइन (40 किलोमीटर)	842
4.	फिरोजपुर-पट्टी नई लाइन (26 किलोमीटर)	300
5.	तलवंडी साबो के रास्ते रामा मंडी (रमन)-मौर मंडी (मौर) नई लाइन (29 कि.मी.)	154
6.	लुधियाना-किला रायपुर दोहरीकरण (19 कि.मी.)	238
7.	लुधियाना-मुल्लांपुर दोहरीकरण (21 कि.मी.)	235
8.	राजपुरा-मोहाली नई लाइन (18 कि.मी.)	443
9.	राजपुरा बाईपास लाइन (14 कि.मी.)	412

भारत सरकार परियोजनाओं को पूरा करने के लिए तैयार है, हालांकि इसकी सफलता पंजाब सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है। उदाहरण के लिए, भूमि अधिग्रहण के कारण लंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	कुल अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)	कुल अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की जाने वाली शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	फिरोजपुर-पट्टी नई लाइन	166	0	166
2.	अलाल-हिम्मताना कॉर्ड लाइन	20	0	20
3.	कादियां-ब्यास नई लाइन	151	0	151
4.	रामा मंडी (रमन) - तलवंडी साबो नई लाइन	85	0	85

पंजाब में पूर्णत: स्थित फिरोजपुर-पट्टी नई लाइन (26 किलोमीटर) एक महत्वपूर्ण परियोजना है जो अंतर्राष्ट्रीय सीमा के निकट है। पंजाब राज्य सरकार द्वारा इस परियोजना के लिए भूमि नि:शुल्क हस्तांतरित की जानी थी। फिरोजपुर और तरनतारन जिलों में कुल 166 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। मार्च 2023 में पूरी भूमि के लिए अधिनिर्णय प्रकाशित किया जा चुका है। बहरहाल, राज्य सरकार द्वारा अधिनिर्णय का वितरण नहीं किया गया है। इस महत्वपूर्ण सीमावर्ती क्षेत्र परियोजना के निष्पादन में विलंब को देखते हुए, रेल मंत्रालय ने अपने वित्तपोषण द्वारा फिरोजपुर-पट्टी नई लाइन (26 किलोमीटर) को शुरू करने का निर्णय लिया है।

2011-12 में 205 करोड़ रुपये की लागत से कादियां-ब्यास (39.6 कि.मी.) नई रेल लाइन परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई थी। बहरहाल, कानून और व्यवस्था के मुद्दों के कारण इस परियोजना को

आगे नहीं बढ़ाया जा सका। इस परियोजना को तब आस्थगित कर दिया गया था। बहरहाल, इस परियोजना के महत्व को देखते हुए, इसे फिर से शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

रेल परियोजनाओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जो निम्नानुसार शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वानिकी स्वीकृति
- अतिलंघकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां
- क्षेत्र की भू-वैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए एक वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

विद्युतीकरण

भारतीय रेल में रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण मिशन मोड में शुरू किया गया है। अब तक, बड़ी लाइन नेटवर्क का लगभग 99.4% विद्युतीकृत जा चुका है। शेष नेटवर्क में विद्युतीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है। वर्ष 2014-25 के दौरान और वर्ष 2014 से पहले किए गए विद्युतीकरण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	मार्ग किलोमीटर
2014 से पहले (लगभग 60 वर्ष)	21,801
2014-25	46,900

पंजाब में होशियारपुर जिले सहित सम्पूर्ण मौजूदा बड़ी लाइन नेटवर्क को विद्युतीकृत कर दिया गया है। इसके अलावा, सभी नई लाइन/बहुपथन परियोजनाओं को विद्युतीकरण के साथ स्वीकृत और निर्मित किया जा रहा है।

******